

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी , अजमेर केम्प कोर्ट ग्राम अरडका

पीठासीन अधिकारी महावीर सिंह आर.ए.एस.

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या- 17/2021  
उपवान

रूप सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम मगरा तहसील व जिला  
अजमेर

प्रार्थी

बनाम

1. रघुनाथ सिंह पुत्र श्री दातार सिंह
2. गोपाल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह  
जाति राजपूत निवासी ग्राम मगरा तहसील व जिला अजमेर
3. नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री उगमराराम
4. सूरजमल पुत्र श्री हीराराम
5. सुगनचन्द्र पुत्र श्री हीराराम
6. जाति जाट निवासी ग्राम मगरा तहसील व जिला अजमेर
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार अजमेर

अप्रार्थीगण

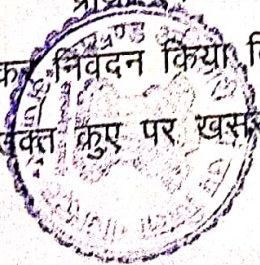
आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

आदेश

दिनांक 03.1.2022

पत्रावली प्रशासन गांव के संग अभियान ग्राम पंचायत अरडका में फोलोअप शिविर में पेश  
हुई। परोकार सरकार एवं तहसीलदार अजमेर उपस्थित। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251  
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 पर सुना एवं पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड का अवलोकन  
किया गया।

प्रार्थी एक आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 प्रस्तुत  
कर निवेदन किया कि ग्राम मगरा तहसील अजमेर स्थित प्रार्थी का कुआ खसरा नम्बर 298 है  
उक्त कुए पर खसरा नम्बर 301, 300, 297, व 299 है। उक्त खेतो व कुए पर आने जाने के



उपखण्ड अधिकारी  
अजमेर

एक मात्र गेर मुमकिन रास्ता खसरा नम्बर 979 है। उक्त रास्ते पर अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत किया गया पत्र 5 ने गेर इरादतन अतिक्रमण कर लिया है जिसको खुलवाया जाना आवश्यक है। तहसीलदार महोदय अजमेर के समक्ष प्रस्तुत किया, तब नायब तहसीलदार महोदय अजमेर उक्त अप्रार्थीगण के खिलाफ दिनांक 16.11.2019 को धारा 91 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की कार्यवाही की ओर दिनांक 29.12.2017 को गेर मुमकिन रास्ता सिवायचक्र रिकार्ड में दर्ज है और उक्त अप्रार्थीगण अतिक्रमी को बेदखल किए जाने का आदेश दिया और दण्ड स्वरूप लगान एक रुपये की 50 गुणा कुल शास्त्री 50 रुपये आरोपित की गई और प्रार्थी की खातेदारी की आराजी में आने जाने का रास्ता जो अप्रार्थीगण ने बन्द कर दिया उक्त बन्द रास्ते को खुलवाये जाने और अतिक्रमण से मुक्त करवाये जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर प्रार्थी के कुंआ खसरा नम्बर 298 एवं खसरानम्बर 301, 300, 297 व 299 पर आने जाने के लिए गेर मुमकिन रास्ता खसरा नम्बर 979 दर्ज है और उक्त बन्द रास्ते को खुलवा कर अतिक्रमियों से मुक्त करवाये जाने के आदेश न्यायहित में प्रदान करावे जिससे प्रार्थी अपने खेतों में आवागमन कर सकें।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किए गए।

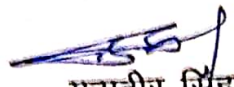
तहसीलदार अजमेर के द्वारा जवाब प्रस्तुत कर जवाब में अकित तथ्यों को दोहराते हुए बहस में निवेदन किया गया कि प्रार्थी द्वारा चाहे गये रास्ते का खसरा नम्बर 797 राजस्व रिकार्ड अनुसार पूर्व में ही सिवायचक्र खाते में दर्ज है तथा राजस्व नक्शे में रास्ता अंकित है। सिवायचक्र आराजी में जारी रास्ते को प्रत्यर्थीगण द्वारा बन्द कर दिये जाने के कारण नियमानुसार कार्यवाही जारी है।

उभय पक्ष की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी द्वारा अपने प्रार्थना पत्र के माध्यम से रास्ते को खुलवाये जाने की इस्तुआ धारा 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत हाजा न्यायालय से चाही गई है जबकि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 ए के अनुसार सम्बन्धित खातेदार/काश्तकार की जमीन को खसरा नम्बर 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 ए के अनुसार राशि जमा कराकर ही रास्ता दिए जाने की शक्तियां तहसीलदार

उक्त रिपोर्ट है। साथ ही सम्बन्धित घटवारी / आईएल आर की रिपोर्ट दिनांक 25.8.2021 का अवलोकन किया गया जिसमें पूर्ण अंकन किया गया कि उक्त शरत्ता सिवायचक दर्ज होकर सरकार की धारा 81 की कार्यवाही की जा रही है जिससे स्पष्ट है कि सम्बन्धित न्यायालय द्वारा विवादित आरक्षणित ब्राह्मण भाग्य विचारधीन है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र आंशिक स्वीकार किया जाकर संरक्षक अजमेर को निर्देशित किया जाता है की सार्वजनिक प्रयोजनार्थ गेर सारत्ता (सिवायचक) पर अगर किसी प्रकार का अतिक्रमण हो उसे नियमानुसार हटवाये जाने की कार्यवाही करे।



आज्ञा दिनांक 03.1.2022 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर मजमें आम सुनाया

  
महावीर सिंह  
उपायुक्त अधिकारी  
उपखण्ड अधिकारी  
अजमेर